

"Music is a constant endeavour that enhances mind & soul to unite & devote in the search of supreme power"

Rita Dev

Follow us

<https://www.facebook.com/RitaDevMusic> | <https://www.instagram.com/ritadevmusic/>

<https://www.youtube.com/c/RitaDev/videos> | <https://twitter.com/ritadevmusic>

https://en.wikipedia.org/wiki/Rita_Dev | <https://www.pinterest.com/drritadevmusic/>

Contact us

+91- 9868469744

E-mail: rita.ragini@gmail.com

NEW DELHI, INDIA | WWW.RITADEV.COM



Dr. Rita Dev – Indian Classical Vocalist

The treasure chest of Hindustani classical music has dazzled the world for centuries and out of the sparkling gems that have radiated the world stands out Dr. Rita Dev. She is one of the torch bearer of the prestigious Banaras Gharana. Her mesmerizing vocals have captivated aficionados and lovers of classical music for decades.

She bears the great legacy of the Queen of Thumri Padma Vibhushan Vidushi Dr. Girija Devi. Her repertoire of classical and semi-classical genres includes the delicate Khayal, Thumri, Kajri, Dadra, the colorful Holi, Tappa, Chaiti and the soul invoking divine Bhajan.

Born in the heavenly state of Assam, Dr. Rita Dev forayed into the wonderland of harmonies under guru Shri Nirmal Acharjee. She was awarded a doctorate degree in vocal music by Banaras Hindu University, under the sagacious guidance of Well Known Prof. Dr. Chittaranjan Jyotishi who belongs to the prominent Gwalior Gharana. She is fortunate to learn light classical music under the legendary vocalist of Banaras Gharana, Guru Pt. Late Mahadev Prasad Mishra.

The Aura of her musical dexterity is evolved under meticulous guidance of Guru Padma Vibhushan Smt. Girija Devi ji over 25 years and the epitome of her career was the approval of her potential by her Guru for bestowing the most precious blessing “Ganda Bandhan” in the Guru and Shishya Parampara.

Dr. Rita Dev is a TOP grade artist of the All-India Radio. an empaneled artist in ICCR, Spic Macay and She has several popular musical presentations in Television like Mausiqi Ek Khoj, Aradhana, Swaranjali etc. She has released several musical albums, namely Swarnani, Swararpan, Swarganga to her credit. She has credit to author the popular book ‘Sangeet Swarit’, published for music learners.

In her illustrious career, she has received high appreciation in national and international level for her soulful performances to many music festivals like, Sawai Gandharva Bhimsen Mahotsav (Pune), Tansen Samaroh (Gwalior), Dover Lane Music Conferance (Kolkata), Baba Allauddin Khan Sangeet Sammelan (Maihar), Sangeet Ratna Abdul Karim Khan Sahab Puniyatithi Samaroh (Miraj), Amir Khusro Music Festival (Chennai), Uttarpara Sangeet Chakra (Kolkata), Thumri Utsav 2022 (Ministry of Art and Culture, New Delhi), Brahmanaad (SZCC, Nagpur), Padmashri Phadke Sangeet Samaroh (Dhar), Sangeet Natak Academy (Lucknow), Budhwa Mangal Festival (Varanasi), Jawahar Kala Kendra (Jaipur), HCL Music Concert (NCR, Gurugram), Pracheen Kala Kendra (Chandigarh), VSK Baithak (New Delhi), Kajri Jhula Mahotsav (Bhopal), Gayan Parv (Bhopal), Sham-ae-Awadh (New Delhi, organized by Yash Raj Films) and others.

She received highly coveted Pt. Omkamath Thakur award, Shri H. C. Kapasi Saptak Award, Sangeet Ratna Puruskar, Swar Ratna Puruskar, Maa Sarda Samman, Pt. Shri Sripad Narayan Upasani Sangeet Samman, Art & Culture Promotion Award, Sangeet Sakshi Samman, Baba Allauddin Khan Smriti Samman for her dedication, performance, and outstanding contribution to music.

She is a passionate qualified musician believes to spread the music to young learners and serving in Agra College, Agra, as Professor and Head (Department of Music).

Dr. Rita Dev believes that classical music is not a mere source of entertainment in India but an integral part of our psyche, the filament that binds us to the divine. She is an enthusiastic artist who brings solace to her audience’s souls.

डॉ. रीता देव – हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायिका

डॉ. रीता देव भारतीय शास्त्रीय संगीत की सम्मानीय एवं अनूठी परंपरा की संवाहिका हैं। आप बनारस घराने की एक अद्भुत प्रतिभावान गायिका हैं और आपकी गायकी में बनारस घराने की विशेषताओं का एक सुंदर संगम दिखाई देता है। आपकी मुग्ध गायकी दशकों से शास्त्रीय संगीत के प्रशंसकों और प्रेमियों को मोहित कर रही है।

आप तुमरी की रानी पद्म विभूषण विदुषी, डॉ. गिरिजा देवी की महान विरासत को वहन करती हैं। आपके संगीत कार्यक्रमों की सूची में शास्त्रीय व उप-शास्त्रीय जैसे – ख्याल, तुमरी, टप्पा, कजरी, चैती, होरी, दादरा और भजन व अन्य लोकोन्मुख विधाएं शामिल हैं।

भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम के एक संगीत-प्रिय परिवार में जन्मी डॉ. रीता देव ने गुरु श्री निर्मल आचार्य जी से संगीत की प्राथमिक शिक्षा ली। ग्वालियर घराने से संबद्ध प्रो. डॉ. चित्तरंजन ज्योतिषी जी के मार्गदर्शन में आपने संगीत में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। आपको बनारस घराने के स्मृतिशेष प्रसिद्ध तुमरी सम्राट पंडित महादेव प्रसाद मिश्र जी से भी उप-शास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य हुआ।

संगीत की बारीकियों को समझने की आपकी शिष्यसुलभ जिज्ञासा, समर्पण एवं प्रतिभा ने आपको पद्म विभूषण विदुषी डॉ. गिरिजा देवी जी से मिलवाया। बिधिबद्ध २५ साल से भी जादा समय आपने गुरु शिष्य परंपरा अधीन एक अनुशासित संगीत शिक्षा और तालिम के पश्चात, गुरु स्वर्गीय डॉ. गिरिजा देवी जी से आत्मिक एवं आध्यात्मिक संबंध के प्रतिरूप अनमोल ‘गंड-बंधन’ धर्म का आशिर्वाद प्राप्त किया।

आप ऑल इंडिया रेडियो की टॉप ग्रेड कलाकार एवं आई.सी.सी.आर, स्पिक मैके से मान्यता प्राप्त कलाकार हैं। आप टेलिविजन एवं दूरदर्शन की प्रस्तुति, ‘मौसिकी एक खोज’, ‘आराधना’, ‘स्वरजली’ जैसे कार्यक्रम में अप्रतिम प्रस्तुति दी। आप की द्वारा ‘स्वरोनी’, ‘स्वर्पण’, ‘स्वरगंगा’ आदि ऑडियो सीडी रिलीज एवं ‘संगीत स्वरित’ किताब रचना आप की उच्च चशिक्षा और उत्कर्ष तालिम की एक कीर्तिमान उपलब्धि है।

देश और बिदेश में बनारस घराने का प्रतिनिधित्व करते हुए आपने सवाई गंधर्व भीमसेन महोत्सव (पुणे), तानसेन समारोह (ग्वालियर), डोवरलेन संगीत सम्मेलन (कोलकाता), संगीत रत्न अब्दुल करीम खानसाहेब पुण्यतिथि समारोह (मिराज), बाबा अलाउद्दीन खान संगीत सम्मेलन (मैहर), उत्तरपाड़ा संगीत चक्र (कोलकाता), तुमरी उत्सव २०२२ (कला एबॉ संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली), ब्रह्मनाद (एसजेडसीसी, नागपुर), पद्मश्री फड़के संगीत समारोह (धार), संगीत नाटक अकादमी (लखनऊ), बुढ़वा मंगल फेस्टिवल (बनारस), जवाहर कला केंद्र (जयपुर), एचसीएल म्यूजिक कंसर्ट (एनसीआर, गुरुग्राम), प्राचीन कला केंद्र (चंडीगढ़), वीएसके बैठक (नई दिल्ली), कजरी झूला महोत्सव (भोपाल), गायन पर्व (भोपाल), शाम-ए-अवध (नई दिल्ली, आयोजक यशराज फिल्म) आदि जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर अपना संगीत बिखेरा।

मंच प्रदर्शन के अलावा आप आगरा कॉलेज के संगीत विभाग की प्राध्यापक और अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। पं. ओंकारनाथ ठाकुर पुरस्कार, श्री एच. सी. कपासी सपत्क अवार्ड, संगीत रत्न, स्वर-रत्न, माँ सारदा सम्मान, पं श्री श्रीपद नारायण उपासनी संगीत सम्मान, आर्ट एंड कलचर प्रमोशन, संगीत साक्षी सम्मान, बाबा अल्लौद्दीन खान स्मृति सम्मान जैसे पुरस्क. त्र प्राप्त कर आपने भारतीय शास्त्रीय संगीत को महिनामण्डित करते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है।

डॉ रीता देव का मानना है की नाद ब्रह्म है और उस पर सहज नियंत्रण आध्यात्मिक साधना है। डॉ. रीता देव संगीत प्रेमियों को स्वर-साधना के माध्यम से स्वरानुभूति कराती हैं तथा दिव्य-शक्ति से स्वयं जुड़ने एवं जोड़ने का प्रयास करती हैं।